कोरोना महामारी आणि भारत

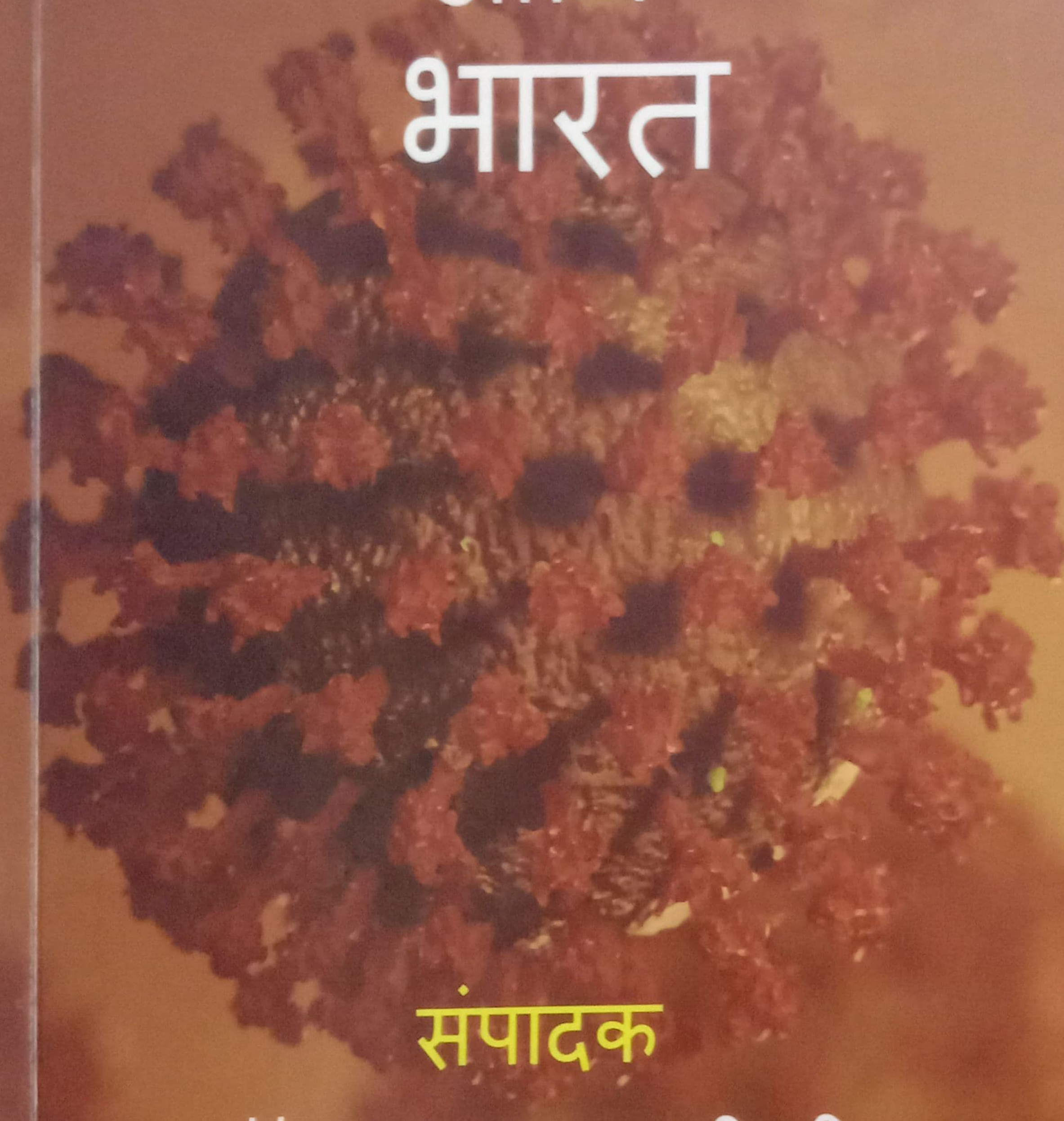

संपादक

डॉ.वाकणकर जी.बी.
प्रा.देवराये एस.एम.
डॉ.टेंगसे एस.ए.

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth
Dist. Parbhani

NOTION PRESS

India. Singapore. Malaysia.

Published by Notion Press 2021
Copyright © Wakankar G.B., Devraye S. M., Tengse S. A. 2021
All Rights Reserved.

ISBN 9781-6387-3493-2

This book has been published with all reasonable efforts taken to make the material error-free after the consent of the author. No part of this book shall be used, reproduced in any manner whatsoever without written permission from the author, except in the case of brief quotations embodied in critical articles and reviews.

The Author of this book is solely responsible and liable for its content including but not limited to the views, representations, descriptions, statements, information, opinions and references ["Content"]. The Content of this book shall not constitute or be construed or deemed to reflect the opinion or expression of the Publisher or Editor. Neither the Publisher nor Editor endorse or approve the Content of this book or guarantee the reliability, accuracy or completeness of the Content published herein and do not make any representations or warranties of any kind, express or implied, including but not limited to the implied warranties of merchantability, fitness for a particular purpose. The Publisher and Editor shall not be liable whatsoever for any errors, omissions, whether such errors or omissions result from negligence, accident, or any other cause or claims for loss or damages of any kind, including without limitation, indirect or consequential loss or damage arising out of use, inability to use, or about the reliability, accuracy or sufficiency of the information contained in this book.

Dist. Parbhani

22. कोरोना के समय का असर - डॉ कुलकर्णी वनिता बाबुराव 162

23. कोरोणा व्हायरस महामारी और मानवता की परीक्षा
प्रा.डॉ.महावीर सुरेशचंद उदगीरकर 172

24. कोरोनाचा शिक्षण क्षेत्रावर झालेला परिणाम
प्रा.डॉ.मारोती धोडींबा कच्छव 183

25. कोरोना काळातील लॉकडाऊनचे श्रमशक्ती व अर्थव्यवस्थेवर झालेले परिणाम
प्रा .डॉ .पांडुरंग मुंढे 194

26. कोरोनाचा भारतीय शिक्षण व्यवस्थेवरील परिणाम
प्रा. संदीपकुमार मारोतराव देवराये 200

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth • Dist. Parbhani

कोरोना के समय का भारत

डॉ कुलकर्णी वनिता बाबुराव
हिंदी विभागाध्यक्षा
कै.रमेश वरपुड़कर महाविद्यालय, सोनपेठ.ता.सोनपेठ जि. परभणी
मेल- kulkarnivanita02@gmail.com

=====

प्रस्तावना - विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना का नाम कोविड- 19 (Covid-19) रखा है। जहां 'Co' का अर्थ है कोरोना (Corona) 'VI' का अर्थ है वायरस Virus 'D' का अर्थ है डिसीस (Disease) और 19 का अर्थ है साल 2019 यानी जिस वर्ष यह बीमारी पैदा हुई। इस वायरस को सबसे पहले चीन के वुहान प्रांत में देखा गया जो धीरे-धीरे पूरे विश्व में फैल चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (wHO) ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित कर दिया है। कोरोना वायरस बहुत सूक्ष्म लेकिन प्रभावी वायरस है। "कोरोना वायरस मानव के बाल की तुलना में 900 गुना छोटा है, लेकिन कोरोना का संक्रमण दुनियाभर में तेजी से फैल रहा है और बहुत ही घातक वायरस है। "1

वैज्ञानिकों का मानना है कि, "कोरोना वायरस" अपने पुराने वायरस परिवार का ही नया सदस्य है। इस नए सदस्य का नाम दिया गया - सार्स -सीवोव्ही- 2 (SARS-COV-2) इसमें सार्स का अर्थ है सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम। माना जा रहा है कि सन 2002 - 2003 में चीन में जिस वायरस से हजारों लोग मारे गए थे उसी वायरस

Late Ramesh Warpudkar ... Sonpeth

के उत्परिवर्तन से नया वायरस आया है। यह वायरस पहली बार दिसंबर 2019 में संज्ञान में आया । इससे होने वाली बीमारी का वैज्ञानिक नाम "कोविड-19" रखा गया । को-कोरोना वि-वायरस, डी- डिजीस । किसी भी वायरस का एक मध्य भाग होता है ।जो उसके जेनेटिक मटेरियल से भरा होता है ,उस वायरस का निश्चित ही एक बाहरी भाग भी होता है ,जिसे कवच कहते हैं। इस वायरस का बाहरी भाग मुकुट की तरह दिखता है । मुकुट को अंग्रेजी में 'क्रॉउन' कहते हैं और 'क्राउन' को लॅटिन भाषा में 'कोरोना' कहते है।शायद इसलिए इसका नाम कोरोना पड़ा ।

कोरोना वायरस महामारी का रूप ले चुका है —

Who के अनुसार यदि कोई बीमारी जो पूरे विश्व में फैल जाती है, तभी उसे महामारी के अंतर्गत रखा जाता है। यह बीमारी कमजोर इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा तंत्र) वाले लोगों, बच्चों, और बुजुर्गों को आसानी से अपना शिकार बनाती है । सलिए इससे घबराने की जगह इससे बचाव किया जाना बेहतर विकल्प है। इस बीमारी से बचा जा सकता है । दुनिया भर में करीब

51,000 लोग इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं। जो इस बात का स्पष्ट सबूत है कि इससे निपटा जा सकता है।

कोविड-19 वायरस आज भारत समेत दुनियाभर में स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है। अब पूरी दुनिया में इसका असर बड़ा ही गंभीर रूप लेने लगा है। वैश्वीकरण के इस दौर में जहां आवागमन और संचार व्यवस्था सुगम हुई है। वहीं आपसी संपर्क बढ़ने से पूरा विश्व किसी गंभीर बीमारी के प्रति सुबेद्य हो गयी है । विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार लगभग 70 देशों में 95,000 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। जनसंख्या घनत्व , गरीबी और अशिक्षा जैसे कारणों के साथ भारत का अपर्याप्त स्वास्थ्य बुनियादी

ढांचा भारत को COVID-19 के लिए अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। COVID-19 एक श्वसन आधारित वायरस है, इसलिए यह कुछ ही समय में फैल सकता है और महामारी में बदल सकता है ।

Late Ramesh Warpudkar (ACS) Dist Parbhani • Sonpeth •

वायरस क्या है ? —

वायरस अकोशिकीय अति सूक्ष्म जीव है जो केवल जीवित कोशिका में ही वंश वृद्धि कर सकते हैं। यह नाभिकीय अम्ल और प्रोटीन से मिलकर गठित होते हैं, शरीर के बाहर तो ये मृत -समान होते हैं, परंतु शरीर के अंदर ये जीवित हो जाते हैं । ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि, इन्हें सामान्य आंख से नहीं देखा जा सकता । इन्हें देखने के लिए सूक्ष्मदर्शी की आवश्यकता होती है।

कोरोना के लक्षण —

- बुखार
- सर्दी और खांसी
- गले में खराश
- शरीर में थकान
- सांस लेने में दिक्कत
- मांसपेशियों में जकड़न
- लंबे समय तक थकान

कोविड-19 वायरस में पहले बुखार होता है। इसके बाद सूखी खांसी होती है। एक हफ्ते बाद सांस लेने में परेशानी होने लगती है। बुजुर्गों या जिन लोगों को पहले से अस्थमा मधुमेह हार्ट की बीमारी है उनके मामले में खतरा गंभीर हो सकता है ।अगर किसी व्यक्ति को सुखी खांसी के साथ तेज बुखार है तो उसे एक बार जरूर जांच करनी

Late Ramesh W... ACS... College Pathri Parbhani

जरिए। कोरोना वायरस मे कफ होता है परंतु संक्रमित व्यक्ति को सुखी खांसी आती है इसके संक्रमण के फलस्वरूप बुखार जुकाम सांस लेने में तकलीफ नाक बहना और और गले में खराश जैसी समस्याएं उत्पन्न होती है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है इसलिए बहुत ही सावधानी बरती जा रही है। यह खांसी और छिंक से गिरने वाली बूंदों के जरिए फैलते है ।

कोरोना के प्रारंभिक लक्षण 1)बुखार 2)सूखी खांसी और 3)कमजोरी के अलावा भी दूसरी अवस्था में 1)सिर दर्द होना2) गले में खराश और गला सुखा -सुखा लगने लगता है। 4) धीरे धीरे आंँखों पर सूजन सी महसूस होने लगती है । और दो-तीन दिन के बाद आंखें लाल हो जाती है। 5)दस्त हो जाते हैं। 6) शरीर पर लाल चकत्ते हो जाते हैं और खुजली हो जाती है। 7) शरीर में दर्द होने लगता है। 8) कोरोना मरिज को किसी प्रकार का खाने में टेस्ट नहीं आता है और किसी प्रकार की खुशबू बदबू का एहसास नहीं होता है। 9) कोरोना मरीज के हाथ पैरों की अंगुलियों पर लाल प्रकार के फफोले भी हो जाते हैं। "तीसरी अवस्था में कोरोना मरीज के लक्षणों में 1)सांस लेने में परेशानी 2) छाती में तेज दर्द होने लगता है। 3) बोलने और चलने में भी दिक्कत आने लगती है। " 2

कोरोना संक्रमण रोकने हेतु उपाय —

- अल्कोहल आधारित साबुन और पानी का उपयोग करके कम से कम 20 सेकंड तक हाथ साफ करना ।
- सभी लोगों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचना चाहिए।
- "खाँसते या छींकते सीखते समय मुंह और नाक को ढकना।" 3

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

बुखार और खांँसी से प्रभावित किसी भी व्यक्ति के निकट संपर्क से बचना।

- यदि बुखार खांँसी और सांस लेने में कठिनाई हो रही है तो जल्दी से चिकित्सक से संपर्क करना और अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के साथ पिछली यात्रा के बारे में जानकारी साझा करना।
- "अपने मुंँह को बार-बार न छुएं।"4
- सबसे 5 से 6 फीट की दूरी बना कर रहें।
- अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करें।
- लोगों से हाथ न मिलाएं।
- अपनी सुरक्षा अपने हाथ में मास्क अवश्य लगाएं।
- रेलगाड़ी बस आदि से यात्रा करने से बचें।
- जहां तक संभव हो घर पर ही रहे।
- गर्म खाना खाँए। बासी भोजन और बाजार से मिलने वाली वस्तुओं को जहां तक संभव हो खाने से बचें।
- सुबह खाली पेट गर्म पानी को पिए।
- सांस लेने में परेशानी हो तो गर्म पानी की भाँप लें।
- हाथों को नाक या मुंँह से ना लगाएं।
- घर में किसी व्यक्ति के जुकाम खांसी होने पर उसे अलग कमरे में सोने की सलाह दे।

"इस वायरस के संक्रमण से बचने के लिए एक अत्यधिक महत्वपूर्ण उपाय यह है कि हमें प्रतिदिन रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले पेय पदार्थों जैसे हल्दी, गिलोय, व तुलसी आदि के काढे का इस्तेमाल करना चाहिए।" 5 इस वायरस के संक्रमण से बचने के लिए अच्छे किस्म का मास्क, हाथ में दस्ताने हैंड सैनिटाइजर, साबुन से बार-बार हाथ धोना, बाहर किसी भी वस्तु या सतह को छूने से बचना अत्याधिक महत्वपूर्ण है। साथ ही इस वायरस के प्रकोप को कम करने

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College Sonpeth Dist. Parbhani

या इससे लड़ने के लिए हमें जन-जन में इससे संबंधित जागरूकता लानी होगी तथा सोशल डिस्टेंसिंग मास्क, सफाई आदि को ध्यान में रखकर इस वायरस का सामना कर सकते हैं । इस वायरस से भयभित ना हो। उचित सावधानियों व स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन कर हम सुरक्षित रह सकते हैं। कोविड-19 से संबंधित लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर से जांच जरूर करानी चाहिए। अति आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले । अपने मुंँह पर कोई कपड़ा बांँध ले या मास्क पहन ले किसी भी व्यक्ति या वस्तु को छूने के बाद साबुन से रगड़ कर हाथ धोए। सैनिटाइजर लगाएं। दूसरों से हाथ ना मिलाएं और किसी से सटकर न खड़े हो।

" जान है तो जहान है।"

कोरोनावायरस एक प्रकार का संक्रमण है, जो व्यक्ति आसानी से एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इस वायरस से कोई भी देश नहीं बचा है इसलिए सावधानी ही सुरक्षा है। जितना हो सके अपने आप को संक्रमित व्यक्ति से बचा के रहे ।अपने आप को सैनिटाइज करते रहे और बाजार से आनेवाली सभी चीजों को साफ करने के पश्चात ही उपयोग करना चाहिए। कोरोना संक्रमण में 'बचाव' ही उपाय है।

कोविड-19 भयंकर आपदा —

एक बड़ा सच यह है कि कोई भी देश, समाज, वर्ग और समूह इस लड़ाई को अकेले नहीं जीत सकता है । कोविड-19 नाम की ही इस आफत ने पूरी दुनिया को एक ऐसे अनदेखे- अंजाने समुद्र में फेंक दिया है , जिससे सुरक्षित बाहर निकलने के लिए हम सभी को तैराकी की कला सीखनी होगी। कोविड-19 के हमले ने दुनिया के विकसित और विकासशील सभी देशों की कमजोर और अपर्याप्त जन स्वास्थ्य

Ramesh Warpudkar (ACS) College Sonpeth Dist. Parbhani

सेवाओं की पोल खोल कर रख दी है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे नदी के तेज बहाव को पार करते हुए हमें उसके तल पर जमे पत्थरों से मिलनेवाली चोट का अंदाजा नहीं होता- हम सब इस वक्त बस इस तेज बहाव वाली नदी से जिंदा बच निकलने का रास्ता ही ढूंढ रहे हैं, न तो यह महामारी इतनी जल्दी खत्म होने वाली है, और ना ही लॉकडाउन। इसका असल समाधान है इस तालाबंदी से हमें सिर्फ वो मोहलत मिल रही है -जिसका इस्तेमाल हम अपनी जिंदगियों को बचाने और संवारने में लगा सकते है । लेकिन यह भी सच है कि, मनुष्य कितना भी सोच - विचार करके इस विपदा से लड़ने की कोशिश कर ले - वो कुछ अनदेखें और अप्रत्याशित खतरों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकता है। इसलिए इस समय जो चीज सबसे ज्यादा मानव जीवन की मदद कर सकता है वह है - सूचनाओं के आदान-प्रदान में पारदर्शिता, जो सरकार के विभिन्न अंगों से लेकर उसके नागरिकों तक सभी पर लागू होता है । इस वक्त जो ज्यादा अहम है वह यह है कि हम सब मिलकर एक साथ इस विपदा का सामना करें। कवि विट्ठल जाधव "सहर" गीत में कहते हैं। -

"माना कि जिंदगी

थोड़ी गई है आज घर ठहर

महामारी का जहर

ढा रहा देश में कहर

ये दिल रख ले सबर

यह दिन (दौर)

जाएंगे गुजर.........धृ।।" 6

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

21वी सदी को पूरे विश्व में कोरोना का के रूप में याद किया जाएगा। कोरोना संक्रमन ने पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले लिया है, और यह सिद्ध कर दिया कि प्रकृति के साथ जो भी खेल खेलेगा वह भी उसके साथ वैसा ही खेल खेलेगी । अपने आप को शक्तिशाली और विकसित समझने वाले देश भी इस संक्रमण के आगे नतमस्तक हो चुके हैं, और उनके वैज्ञानिक भी असहाय दिख रहे हैं। कोरोना से कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जो अछूता रहा हो । इस संक्रमण के कारण पूरे विश्व की आर्थिक व्यवस्था सामाजिक व्यवस्था राजनीतिक व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है ।

दुनिया में महामारी के आने और जाने का बड़ा लंबा इतिहास रहा है । भारत भी कई दफा इन महामारीयों का गवाह बन चुका है। भारत नें 1990 के दशक से कई महामारियों के प्रकोप देखे हैं- जिनमें की स्पेनिश फ्लू, हैजा, फ्लू, चेचक महामारी, 1994 सूरत में प्लेग , 2003 सार्स, 2006 में डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप, 2009 में गुजरात हेपेटाइटिस, 2014-2015 में उड़ीसा में पीलिया और स्वाइन फ्लू का प्रकोप , 2017- 2018 में एन्सेफलाटिस और निपाह वायरस और अब 2019 -2020 में कोरोना वायरस जिसे WHO ने पैनडेमिक घोषित कर दिया है।

इन महामारीयों के कारण भारत की अर्थव्यवस्था और मानव संसाधन को अत्यधिक मात्रा में अति क्षति पहुंचती है । कोविड-19 इन दिनों भारत को नुकसान पहुँचा रहा है । ऐसी किसी भी आपदा से निपटने के लिए और उससे उभरने के लिए उचित दृष्टिकोण, उचित व्यवस्था और निष्पक्ष नेतृत्व की जरूरत होती है, जो किसी भी मुहिम को सफल बनाती है , परंतु कोई भी मुहिम बिना समाज के संभव नहीं । लॉकडाउन में हमारा देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है ,जैसे कि फेक न्यूज़ का प्रचार गरीबों के पोषण की चिंता तेजी से फैल रही है।

Lale Ramesh Warpudkar (ACS) College Sonpeth Dist. Parbhani

महामारी का दुष्चक्र पलायन की समस्या ऐसी अनगिनत समस्याएंँ जिसने शासन प्रशासन और आम जनता के माथे पर चिंताएँ की लकीरें खींच दी है।

सारांश—

अंत में यह कहना चाहेंगे कि आज पूरी दुनिया लॉकडाउन और क्वारंटाइन की वजह से घरों में कैद है बाजार बंद है ,चारों तरफ सन्नाटा छाया हुआ है, कोरोना वायरस से बचाव की तैयारी न केवल सरकार का उत्तरदायित्व है बल्कि सभी संस्थानों, संगठनों, निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों, यहांँ तक की सभी व्यक्तियों को आकस्मिक और अग्रिम तैयारी योजनाएंँ बनाना चाहियें। सही जानकारी ही बचाव का बेहतर विकल्प है, इसलिए सरकार सामाजिक संगठनों तथा लोगों को सही दिशा- निर्देशों का प्रसार करना चाहिए। बड़े पैमाने पर व्यवहार परिवर्तन एक सफल प्रक्रिया की आधारशिला होगी। इसके लिए उचित जोखिम उपायों और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति एक नवीन एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सतर्क रहे ,स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें और कोरोना को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा जारी दिशा- निर्देशों का सख्ती से पालन करें। इससे पहले भी कई महामारीयाँ आई है , जिन पर हमने पूरी तरह से विजय हासिल की है और इसी तरह कोरोना को भी हम साथ मिलकर हरांएंगे। सब की सुरक्षा के लिए एक बात और -

"दूसरों से उचित दूरी ,

सब की सुरक्षा के लिए जरूरी"

संदर्भ—

1)Ekbharat ,gov.in

वाकणकर जी.बी.,देवराये एस.एम.,टेंगसे एस.ए.

2)Coronavirus from haribhoomi.com>news

3)Hindi.Webdunia.com

4)https //m.dailynunt.in

5)https://tacknews.com

6) यह दिन (दौर) जाएंगे गुजर -गीतकार -विट्ठल जाधव books.google.co.in

Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani